NNI
हर खबर पर पक्की नजर

पत्रकारिता
हमारा धर्म
निष्पक्षता
हमारी पहचान

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

न्यूज नेक्स्ट इण्डिया

सत्यता व निष्पक्षता का छठवां वर्ष
www.nnindianews.com

वर्ष:06, अंक:-11, पृष्ठ: 12 | शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026 | मूल्य- 03.00 रुपये मात्र

देश को मिली पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन

पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जींद। भारतीय रेलवे ने हरित और आधुनिक परिवहन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इतिहास रच दिया है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-पावर्ड यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस उपलब्धि के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है, जहां हाइड्रोजन तकनीक से चलने वाली यात्री ट्रेनें संचालित हो रही हैं। यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच करीब 89 किलोमीटर के रूट पर चलेगी।

हाइड्रोजन ट्रेन को भारतीय रेलवे की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से बिजली बनाकर चलती है। इस प्रक्रिया में डीजल की जरूरत नहीं पड़ती और केवल भाप तथा गर्मी निकलती है। इससे वातावरण में कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य रहता है, जो इसे पर्यावरण के लिए बेहद अनुकूल बनाता है।

दमदार इंजन और शानदार क्षमता

नई हाइड्रोजन ट्रेन में 3,200 हॉर्सपावर का शक्तिशाली प्रोपल्शन सिस्टम लगाया गया है। इसकी सामान्य परिचालन गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा है, जिसे जरूरत पड़ने पर 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक बढ़ाया जा सकता है। यह 10 कोच वाली ट्रेन है, जिसमें एक साथ लगभग 2,600 यात्रियों के सफर करने की क्षमता है। दुनिया के कई देशों में अभी दो से चार कोच वाली हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही हैं, जबकि भारत ने सीधे 10 कोच वाला ट्रेनसेट तैयार कर नई मिसाल पेश की है।

मुर्शिदाबाद में भीषण हादसा

रेल फाटक पार करते समय ट्रेन से टकराई स्कूली वैन, 2 छात्रों समेत 3 की मौत

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां के बहरामपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई, जिसमें दो बच्चे शामिल थे।

यह दर्दनाक हादसा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के गोविंदपुर रेल गेट पर हुआ। जहां स्कूली बच्चों को ले जा रही एक गाड़ी ने पटरी पार करने की कोशिश की, लेकिन ये गाड़ी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे में दो बच्चों और एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि कई अन्य बच्चे और साइकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को बहरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा शुक्रवार को यानी 17 जुलाई 2026 को बहरामपुर पुलिस स्टेशन के कर्णसुबर्णा और गोविंदपुर स्टेशनों के बीच घटित हुआ। जानकारी अनुसार, कटवा-अजीमगंज रेलखंड के गेट नंबर 24अ/2 पर सुबह करीब 6:41 बजे एक स्कूल वैन ट्रेन से टकरा गई। बताया जा रहा है कि यह वैन रॉयल एकेडमी स्कूल के बच्चों को ले जा रही थी। जब यह गाड़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंची तो दोनों दिशाओं से ट्रेनों के गुजरने के लिए लिए क्रॉसिंग गेट को बंद कर दिया गया। जैसे ही अप दिशा से ट्रेन नंबर 13431 गुजरी तो गेट खोल दिया गया और स्कूली वैन पटरी पर आ गई। वैन अभी पटरी पर ही थी कि तभी दूसरी तरफ से आ रही ट्रेन नंबर 53054 ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और इस हादसे में वैन में सवार दो मासूमों और पास ही खड़े एक बुजुर्ग साइकिल सवार की मौत हो गई। गाड़ी में सवार अन्य घायल बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आईपीएस अनुराग कुमार बने दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने अनुराग कुमार को दिल्ली का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है। उन्होंने सतीश गोलचा का स्थान लिया है, जिन्हें इस पद से हटा दिया गया। अनुराग कुमार 1994 बैच के अधिकारी हैं। यह नियुक्ति गृह मंत्रालय के आदेश पर की गई है। अनुराग कुमार (आईपीएस, एजीएमयूटी:1994) दिल्ली के पुलिस आयुक्त नियुक्त किए गए हैं। यह नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। नए आयुक्त के कार्यभार संभालने पर सतीश गोलचा (आईपीएस, एजीएमयूटी:1992) को उपराज्यपाल दिल्ली को आगे की तैनाती के लिए रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां राज्य के विभिन्न जिलों से हुई हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिदभाई शेरा, मोहम्मद अयूब कड़ीवाला, मोहम्मद पालनपुरी उर्फ खली अयूब सुनसारा, शाफिया रईस मुख्ती और मोहम्मद हसन करडिया के रूप में हुई है। इन्हें पाटन जिले की सिद्धपुर तहसील के खड़ियाल गांव से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरूआत में गिरफ्तार किए

गए जैश-ए-मोहम्मद के आठ संदिग्ध सदस्यों से पूछताछ के दौरान इन पांचों के नाम सामने आए थे। इसके बाद इन्हें गिरफ्तार कर मेहसाणा जिले के कड़ी कस्बे में न्यायिक मजिस्ट्रेट आर. एम. भाटिया की अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत ने सभी आरोपियों को 24 जुलाई तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया।

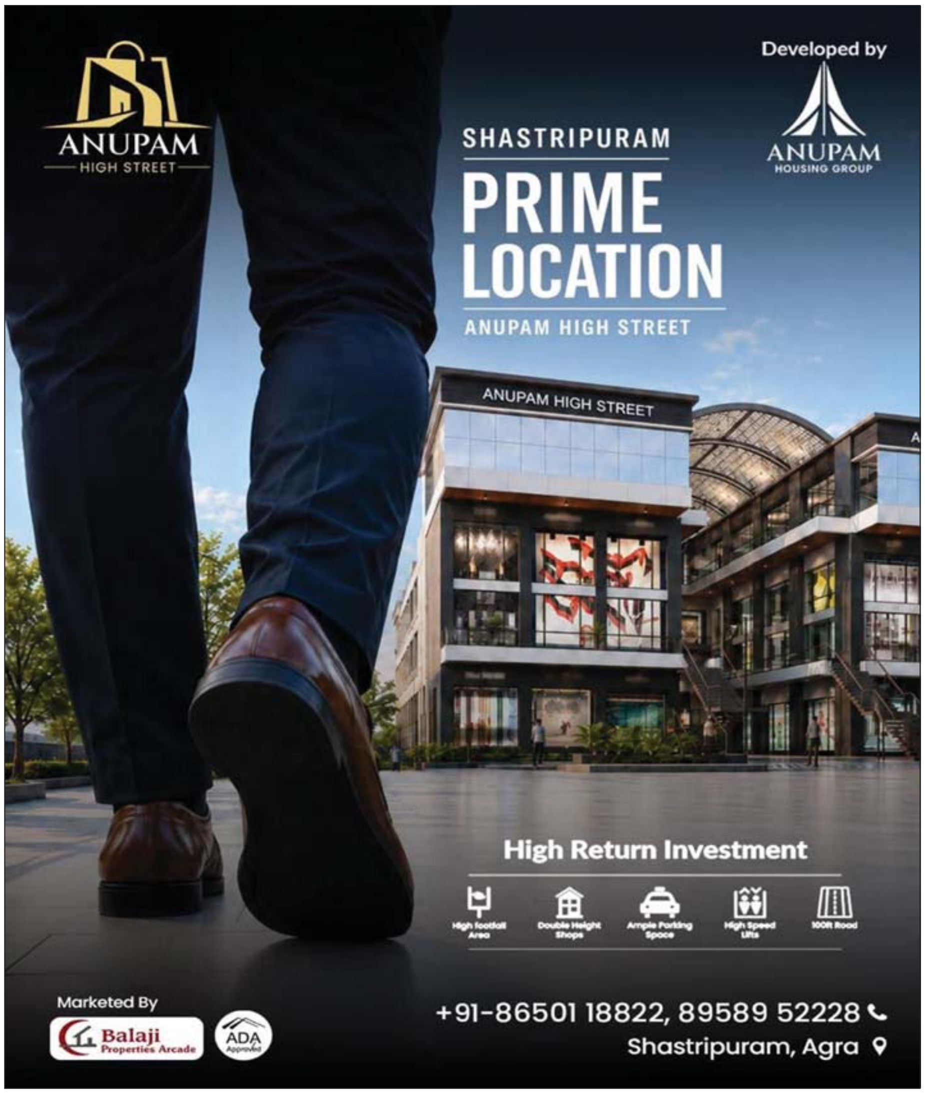

न्यूज नेक्स्ट इंडिया
हर खबर पर पक्की नज़र

'तो मैं भूत बनकर वापस आऊंगा'

20वें दिन भी जारी सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन जारी है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल शुक्रवार को 20वें दिन में प्रवेश कर गई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोनम वांगचुक बीती 28 जून से भूख हड़ताल कर रहे हैं। वहीं, आज कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की।

डॉक्टरों के अनुसार, उनका वजन नौ किलो से अधिक घट चुका है और उनका ब्लड प्रेशर भी लगातार कम हो रहा है। डॉक्टर सतीश लांबा ने बताया कि लंबे समय तक भोजन न करने के कारण उनके शरीर में काफी कमजोरी आ गई है।

डॉक्टरों ने वांगचुक के शरीर के अंगों को लेकर दी चेतावनी

डॉ सतीश लांबा के अनुसार, आज सोनम वांगचुक का वजन 56.55 किलोग्राम दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 350 ग्राम कम हुआ है। वहीं, उनका ब्लड प्रेशर 108/68, ब्लड शुगर 70 और हार्ट रेट 72 बीट प्रति मिनट है। डॉक्टरों ने बताया कि शरीर में हल्का डिहाइड्रेशन है। डॉक्टरों के अनुसार, लंबे समय तक भोजन न मिलने के कारण पहले शरीर की चर्बी घटी, फिर मांसपेशियां कम होने लगीं। अब तीसरे चरण में शरीर के अंगों पर असर पड़ने की आशंका है।

वहीं, भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने कहा, 'मैं किसी भी हालत में 20 जुलाई तक जीवित रहूंगा, ताकि आप सभी के साथ संसद तक मार्च कर सकूं। अगर 20 जुलाई को हमारा मार्च सफल नहीं हुआ, तो मैं भूत बनकर वापस आऊंगा।'

बता दें कि सोनम वांगचुक दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। यहां उनके भूख हड़ताल का आज 20वां दिन है। वे कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक के समर्थन में अनशन पर बैठे हैं। पार्टी संस्थापक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

उनका आरोप है कि मई में हुई परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्र प्रभावित हुए। उधर, सीजेपी ने घोषणा की है कि वह संसद के मानसून सत्र के पहले दिन, यानी 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद भवन तक शांतिपूर्ण मार्च निकालेगी। सीजेपी ने देश भर के छात्रों, अभिभावकों और आम नागरिकों से इस मार्च में शामिल होने की अपील की है। इस आंदोलन की मुख्य मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाना है।

अमेरिकी हमले से ईरान के पुल, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तबाह

तेल की कीमतों में आया उछाल

तेहरान। खाड़ी देश अब एक ऐसी आग में झुलस रहे हैं, जिसे बुझाना नामुमकिन लग रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सीधी चेतावनी के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने लगातार छठी रात ईरान को बमों से पाट दिया है। यह हमला कितना भीषण है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि अमेरिकी मिसाइलों ने इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने नहीं, बल्कि ईरान की लाइफलाइन कहे जाने वाले पुलों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है। रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास भारी तबाही हुई है, जिससे ईरान के कई शहरों का आपस में संपर्क पूरी तरह टूट गया है। जवाब में बौखलाए ईरान ने भी अमेरिकी बेस वाले बहरीन और कुवैत पर मिसाइलें और ड्रोन दागकर भीषण पलटवार कर दिया है।

यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि ईरान के खिलाफ लागू अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी के तहत नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे तीन कमर्शियल जहाजों को रोका गया। इनमें एक जहाज को निष्क्रिय कर दिया गया, दूसरे पर अमेरिकी सैनिकों ने सत्यापन के लिए बोर्डिंग की, जबकि तीसरे का रास्ता बदल दिया गया। 16 जुलाई को अमेरिकी मरीन की 11वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट ने एम/टी वेन याओ टैंकर पर बोर्डिंग अभियान चलाया और ईरानी बंदरगाहों की ओर आने-जाने वाले समुद्री यातायात पर कार्रवाई फिर से शुरू कर दी। अमेरिकी सेना का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला और सुरक्षित है, लेकिन केवल वे जहाज रोके जा रहे हैं जो अमेरिका की 'स्टील वॉल ब्लॉकेड' का उल्लंघन करने की कोशिश कर रहे हैं। सेंटकॉम ने दावा किया कि चेतावनियों की अनदेखी करने वाले कुराकाओ के झंडे वाले एम/टी बेल्मा टैंकर को हेलफायर मिसाइल से निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे वह ईरान के खार्ग द्वीप की ओर नहीं बढ़ सका।

उत्तरी इराक के कुर्द क्षेत्र के शहर सुलैमानीया में शुक्रवार को चार तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने की खबर है। कुर्द समाचार मंच रुडाव के अनुसार, शहर में लगातार हुए इन विस्फोटों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। फिलहाल धमाकों के कारण, संभावित नुकसान या किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं, जबकि अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

12 साल के बालक को मगरमच्छ जिंदा खा गया, जबड़े में दबाया, उछाला और लील गया

बहराइच। यूपी के बहराइच में 12 वर्षीय बालक को मगरमच्छ जिंदा खा गया। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना का वीडियो सामने आया है। इसमें मगरमच्छ बालक को लीलते हुए दिख रहा है। वीडियो देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए। घटना बौंडी थाना के मुरौवा गांव की है। गांव निवासी सुनील सिंह (12) बृहस्पतिवार को अपने चाचा के साथ धान की रोपाई करने खेत गया था। शाम के समय काम खत्म होने के बाद वह घाघरा (सरयू) नदी के किनारे हाथ-मुंह धोने गया। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे एक मगरमच्छ ने अचानक उस पर हमला कर उसे जबड़ों में दबोच लिया और नदी में खींच ले गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने सुनील को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन मगरमच्छ के हमले के कारण उसे नहीं बचाया जा सका। देर रात करीब 110:30 बजे

स्थानीय ग्रामीणों ने नदी से उसका शव बरामद किया। शव के एक पैर और पेट का हिस्सा मगरमच्छ खा गया। मृतक सुनील के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका था। वह अपने भाई-बहनों के साथ रह रहा था और क्षेत्र के माधवपुरवा-करेहना विद्यालय में कक्षा छह का छात्र था।

150 करोड़ की संपत्ति के लिए पिता का कत्ल

गाजियाबाद। जिले के मोदीनगर के बुदाना गांव में बुधवार रात संपत्ति को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। पुलिस के मुताबिक, 32 वर्षीय निखिल नेहरा ने करीब 150 करोड़ रुपये की संपत्ति अपने नाम कराने के विवाद में अपने पिता हरिओम नेहरा (54) की मां के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी हथियार लहराते हुए बाइक से फरार हो गया। घटना की जानकारी पुलिस को सीधे परिजनों से नहीं, बल्कि अस्पताल से मिली, जहां घायल को मृत घोषित किया गया। मृतक की पत्नी की शिकायत पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश में पुलिस की पांच टीमें लगी हैं। पुलिस के अनुसार, 54 वर्षीय हरिओम नेहरा गांव के बड़े किसानों में शामिल थे। वह पत्नी मीनाक्षी, बेटों निखिल व नीशू और मां राजेश देवी के साथ रहते थे। उनके पास करीब 75 बीघा कृषि भूमि है, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग 150 करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

मानसून सत्र 20 जुलाई से, सरकार 7 बिल लाएगी

वंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदे पर सख्ती की तैयारी, परिसीमन बिल का जिक्र नहीं

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। हालांकि, उससे पहले दिल्ली में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। पक्ष से लेकर विपक्ष तक में बैठकों का दौर जारी है। आने वाले विधेयकों पर रणनीति बनाई जा रही है और सर्वदलीय बैठक बुलाने की भी मांग हो रही है। विपक्ष जहां बेरोजगारी, महंगाई और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है तो सरकार अपने अहम विधेयकों को पास कराने की रणनीति बना रही है। इसे लेकर आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बैठक भी है। इस बीच उन विधेयकों की लिस्ट सामने आ गई है जो सरकार इस बार मॉनसून सत्र में पेश कर सकती है।

1. इनकम-टैक्स (संशोधन) बिल, 2026 (एक अध्यादेश की जगह लेने के लिए)

2. सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन बिल, 2026 (एक अध्यादेश की जगह लेने के लिए)

3. जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026

4. राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026

5. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) बिल, 2026।

इसके अलावा, सरकार दो पुराने बिलों पर भी विचार कर सकती है

1. विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन बिल, 2026, जिसे 25 मार्च, 2026 को लोकसभा में पेश किया गया था ।

2. विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल, 2025, जिसे 15 दिसंबर, 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था और एक संयुक्त समिति को भेजा गया था। सरकार की तरफ से जारी लिस्ट में भले ही डीलिमिटेशन या परिसीमन बिल और वन नेशन वन इलेक्शन बिल का जिक्र नहीं है लेकिन विपक्षी खेमे में चर्चा सिर्फ इन्हीं दो बिलों की हो रही है। विपक्ष को लगता है कि सरकार इन दोनों बिलों को लेकर तेजी से बढ़ रही है। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि परिसीमन बिल का विरोध करेगी। सामने आई जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को सुबह 11 बजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर मंत्रियों के समूह यानी ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है जिसकी अध्यक्षता राजनाथ सिंह करेंगे। बैठक में संसद के आगामी सत्र के लिए रणनीति और समन्वय पर चर्चा होगी।

स्वामी वीरेन अग्रवाल प्रकाशक विवेक खंडेलवाल मुद्रक इम्प्रेशन प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग लिमिटेड, सिकंदरा रोड, गुरु का ताल, आगरा से मुद्रित एवं बृज वैलबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैट 302 तीसरी मंजिल ब्लॉक E /11/8 संजय प्लेस आगरा से प्रकाशित। RNI Registration No., UPHIN/2021/88376। प्रधान संपादक अरविन्द सिंह। चेयरमैन-स्वतंत्र कुमार। प्रबंध निदेशक ब्रजेश सिकरवार। E MAIL newsnextindianni@gmail.com, Website:-www.nnindianews.com
(प्रधान संपादक इस अंक में समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी है)

NNI
हर खबर पर पक्की नजर
पत्रकारिता हमारा धर्म निष्पक्षता हमारी पहचान
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया

मथुरा जंक्शन के आरआरआई केबिन में मिले मानव अवशेष

एनएनआई

मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन की बंद पड़े रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) केबिन में मानव शव के अवशेष मिले हैं। केबिन के आसपास कुत्तों का झुंड शव के अवशेषों को नोच रहा था। पास में ही महिला की पजामी के अलावा तीन आधार कार्ड भी पड़े मिले हैं। जीआरपी ने अवशेषों को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

जीआरपी को शाम को कंट्रोल के माध्यम से सूचना मिली कि यार्ड के निकट बंद हो चुकी पुरानी आरआरआई केबिन में मानव खोपड़ी पड़ी है। इसके बाद जीआरपी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर मानव खोपड़ी व अन्य अंग इधर-उधर पड़े थे, जिन्हें कुत्ते नोंच रहे थे।

केबिन की रैंप पर लाल रंग की पजामी और उसके पास तीन आधार कार्ड पड़े थे, जिनमें दो पुरुष और एक महिला का था। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि अवशेषों को एकत्र कर बरामद कर लिया और शिनाख्त की जा रही है। ट्रेन से कटकर मौत होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा कि अवशेष पुरुष के हैं या महिला के हैं।

रोडवेज बस से टकराकर तीन हिस्सों में टूट गया ट्रैक्टर

एनएनआई

एटा। अलीगंज कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार तड़के करीब 5:30 बजे अलीगंज-कायमगंज मार्ग पर लड़सिया गांव के पास अलीगढ़ डिपो की रोडवेज बस और ट्रॉली लगे ट्रैक्टर की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर तीन हिस्सों में टूट गया, जबकि रोडवेज बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर निवासी लड़सिया सुर्देश पुत्र तोक सिंह का था, जिसे नीरज पुत्र रघुवीर सिंह चला रहे थे। नीरज धान की रोपाई के लिए नगला किस्स गांव मजदूर लेने जा रहे थे। इसी दौरान दिल्ली की ओर से आ रही अलीगढ़ डिपो की रोडवेज बस से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे में बस चालक नरेश पाल (40), निवासी डोटली, थाना सिकंदराराऊ, हाथरस को मामूली चोटें आईं। उन्हें उपचार के लिए सीएचसी अलीगंज भेजा गया। बस में सवार यात्रियों और ट्रैक्टर चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई। इस तरह भीषण हादसे के बावजूद जनहानि नहीं हुई।

सूचना मिलते ही कोतवाली अलीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सामान्य कराया गया। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें ट्रैक्टर के तीन हिस्सों में टूटे होने और बस के अगले हिस्से के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं।

कोतवाली अलीगंज के प्रभारी निरीक्षक रूपेश वर्मा ने बताया कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं एटा के एआरएम नरेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

बाथरूम में नहा रही थी महिला, छुपकर पड़ोसी बना रहा था वीडियो

एनएनआई

मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला ने पड़ोसी युवक पर नहाते समय चोरी-छिपे वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी का मोबाइल कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मथुरा के चौमुहां थाना जैंत क्षेत्र के एक गांव में महिला का नहाते समय चोरी-छिपे वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी का मोबाइल कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपने घर में स्नान कर रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक दीवार के पास पहुंच गया और मोबाइल फोन से उसका वीडियो बनाने लगा। महिला की नजर पड़ने पर उसने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर पति और अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए तथा आरोपी को पकड़ लिया।

परिजनों ने उससे मोबाइल फोन लेकर उसकी जांच की तो उसमें महिला का नहाते समय बनाया गया वीडियो मिला। इसके बाद पीड़िता थाना जैंत पहुंची और आरोपी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुए मोबाइल पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने मोबाइल को जांच के लिए कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

भक्तों के लिए खुशी की खबर

वृंदावन में गुरु पूर्णिमा पर दर्शन देंगे संत प्रेमानंद

एनएनआई

वृंदावन। यमुना पार कुटिया में एकांतवास कर रहे संत प्रेमानंद अब गुरु पूर्णिमा पर भक्तों को दर्शन देंगे। यमुना पार बेलवन में नए आश्रम यमुना विहार कुंज में संत प्रेमानंद शिष्यों को दर्शन देंगें। गुरु पूर्णिमा से पहले ही 23 से 29 जुलाई को अलग अलग राज्यों के शिष्य संत प्रेमानंद के दर्शन कर गुरु पूजन करेंगे।

श्रीराधा केली कुंज आश्रम से जारी सूचना के अनुसार यमुना पार बेलवन पर संत अपने नए आश्रम यमुना विहार कुंज में ही गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों को दर्शन देंगे। 23 से 29 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह साढ़े चार से साढ़े पांच बजे तक संत प्रेमानंद दर्शन देंगे तो सुबह सात से दस बजे तक श्री राधा केली कुंज में गुरु चरण पादुका पूजन होगा। शाम साढ़े तीन से साढ़े छह बजे तक सत्संग, संध्या आरती, नाम संकीर्तन होगा, तो गुरु पूर्णिमा पर संत प्रेमानंद के दर्शन की व्यवस्था यमुना विहार कुंज में होगी।

इसमें 23 जुलाई को विदेशी भक्तों के साथ हरियाणा, कर्नाटक के शिष्य दर्शन करेंगे, 24 को गुजरात, जम्मू कश्मीर, छत्तीसगढ़, आंध्र, केरल और दिल्ली के शिष्य, 25 को पंजाब, मप्र, झारखंड के शिष्य, 26 को उप्र एवं ब्रजमंडल के शिष्य, 27 को राजस्थान, हिमाचल, असोम, महाराष्ट्र, तेलंगाना के शिष्य, 28 को स्थानीय शिष्य, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, तमिलनाडु, गोवा के शिष्य के अलावा 29 जुलाई को आश्रम से जुड़े विरक्त शिष्य संत प्रेमानंद के दर्शन कर गुरु पूजन करेंगे।

घर में सो रहे युवक को माथे में मारी गोली

हालत गंभीर, आगरा रेफर; परिजन के पहुंचते ही आरोपी फरार

एनएनआई

हाथरस। देर रात घर में सो रहे ट्रैक्टर चालक को अज्ञात हमलावर ने गोली मार दी। माथे में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगरा रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के चमरौली गांव का है।

सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के चमरौली गांव निवासी संजय (38) पुत्र नेत्रपाल गुरुवार देर रात अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात हमलावर घर में पहुंचा और बेहद करीब से उनके माथे पर गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

घटना के बाद परिजन गंभीर रूप से घायल संजय को पहले नजदीकी अस्पताल ले गए। वहां से उन्हें देर रात करीब एक बजे जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया।

फिलहाल संजय का इलाज आगरा के एशियन मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस हमलावर की तलाश के साथ घटना के कारणों की भी पड़ताल कर रही है।

डीएसएस पिटाई प्रकरण में नया मोड़

स्टेशन उपाधीक्षक समेत आठ के खिलाफ तहरीर

एनएनआई

आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर स्टेशन उपाधीक्षक नरेंद्र चाहर से मारपीट और प्लेटफार्म पर घसीटने के मामले में जांच चल रही है। वहीं दूसरी तरफ उनके खिलाफ भी आरपीएफ कर्मी ने पुलिस से शिकायत की है। बृहस्पतिवार को आरपीएफ कर्मी हरेश प्रताप सिंह ने थाना सदर में तहरीर देकर डिप्टी एसएस सहित 7-8 लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उनके साथ अभद्रता की गई। कपड़े फाड़ दिए गए। मोबाइल और आईडी कार्ड भी छीना गया। उन्होंने कार्रवाई की मांग की है। मामले में थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

आरपीएफ कर्मी हरेश प्रताप सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि 14 जुलाई को उसकी डयूटी मंडल कार्यालय के बाहर लगी थी। वह वीडियोग्राफी कर रहे थे। वह सादा कपड़ों में थे। अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। तभी स्टेशन उपाधीक्षक नरेंद्र चाहर आ गए। उनके साथी भी थे। उन्होंने घेरकर गाली देना शुरू कर दिया। विरोध पर मोबाइल और पहचान पत्र छीन लिया। उन्होंने विरोध किया। मगर आरोपी मारपीट पर उतारू हो गए। कॉलर पकड़कर कपड़े फाड़ दिए। उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। उन्होंने कार्रवाई की मांग की। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जाएगी। आरोपों की पुष्टि होने पर कार्रवाई होगी। स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज देखे जाएंगे। वायरल वीडियो की भी जांच कराई जाएगी।

आरपीएफ कमांडेंट राजमोहन का ट्रांसफर

आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर 12 जुलाई को डिप्टी स्टेशन अधीक्षक (डिप्टी एसएस) नरेंद्र चाहर और आरपीएफ जवानों के बीच हुई मारपीट का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में बड़े प्रशासनिक फेरबदल कर दिए गए हैं। इस मामले के बीच आरपीएफ कमांडेंट पी. राजमोहन का तबादला पूर्वोत्तर क्षेत्र में उप मुख्य सुरक्षा आयुक्त (निर्माण) के पद पर कर दिया गया है। वहीं घटना के बाद निलंबित किए गए चारों आरपीएफ कर्मियों को भी अलग-अलग मंडलों में संबद्ध कर दिया गया है।

वीडियो हुआ था वायरल

घटना मंगलवार शाम को हुई थी। डीआरएम कार्यालय का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक व्यक्ति नजर आ रहा है। उसके रेलवे कर्मी घेरे हुए हैं। गालीगलौज हो रही है। उक्त व्यक्ति गाली देने से मना कर रहा है। तभी नरेंद्र चाहर अपने कपड़े फाड़ते हुए नजर आ रहे हैं। वह कपड़े फटने के बाद भी अपना पहचान पत्र और मोबाइल की मांग करते नजर आ रहे हैं। मामले में पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है।

400 स्कूल वैन चालकों ने की हड़ताल, चक्का जाम की भी तैयारी

एनएनआई

आगरा। परिवहन और यातायात पुलिस की कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को 400 से अधिक स्कूल वैन चालकों ने हड़ताल कर दी। चालकों के अचानक हड़ताल के एलान से अभिभावकों को सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने और दोपहर में उन्हें लाने के लिए दौड़ लगानी पड़ी। लगातार कार्रवाई के विरुद्ध स्कूल वैन चालक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को आरटीओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया। यहां के बाद वह पुलिस कमिश्नरेट डीसीपी यातायात से मिलने पहुंचे। शुक्रवार को भी शहर के सभी स्कूल वैन चालकों ने चक्का जाम का एलान किया है।

चालकों का कहना है कि आज शुक्रवार को परिवहन और यातायात पुलिस अधिकारियों से वार्ता होगी, बात नहीं बनी तो शनिवार तक चक्का जाम रहेगा। जिले में 165 से अधिक सीबीएसई और सीआइएससीई से संबद्ध स्कूल हैं। जिनमें 1100 से अधिक स्कूल बस हैं। इसके अलावा दो हजार स्कूल वैन हैं।

परिवहन विभाग द्वारा एक से 15 जुलाई जबकि यातायात पुलिस द्वारा 22 जुलाई तक स्कूली वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा है। दोनों विभागों द्वारा अब तक 400 से अधिक स्कूली वाहनों का चालान और 100 से अधिक को बंद किया जा चुका है। आरटीओ और पुलिस द्वारा की जा रही लगातार कार्रवाई से आक्रोशित वैन चालकों ने गुरुवार को हड़ताल कर दी।

कुछ वैन चालक सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने आए, लेकिन उन्होंने अभिभावकों को हड़ताल की जानकारी देकर दोपहर में आने से मना कर दिया। हड़ताल करने वाले अधिकांश वैन चालक सेंट पीटर्स कालेज के थे। दोपहर में छुट्टी के बाद सेंट पीटर्स पर अभिभावक अपने वाहनों से बच्चों को लेने पहुंचे। जिससे वाहनों की संख्या प्रतिदिन से कई गुणा अधिक बढ़ने के चलते वजीरपुरा रोड पर यातायात का दबाव बढ़ गया। वहीं, गुरुवार को 300 से अधिक स्कूल वैन चालक हड़ताल पर रहे। दोपहर एक बजे दर्जनों चालकों ने आरटीओ कार्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। वह कार्रवाई बंद करने की मांग कर रहे थे। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आरटीओ से मुलाकात करके पेनाल्टी माफ करने की मांग की। यहां के बाद वह पुलिस आयुक्त कार्यालय डीसीपी यातायात से बात करने पहुंचे। वहां से उन्हें शुक्रवार को आने का समय दे दिया। शुक्रवार को ही आरटीओ को भी बुलाया गया है। मुलाकात करने वालों में एसोसिएशन के पदाधिकारी दिनेश चंद,राम प्रकाश, राहुल, मोहम्मद, आशीष, धीरज आदि थे।

इन स्कूलों के वैन चालकों की हड़ताल

सेंट पीटर्स, सेंट जार्जेज, सेंट फ्रांसिस, सेंट कॉनरेड्स और सेंट पॉल्स चर्च कालेज। हालांकि पहले दिन की हड़ताल का मिलाजुला असर रहा। सेंट पीटर्स कालेज के सभी चालक हड़ताल पर रहे, अन्य स्कूलों के कुछ चालक ही बच्चों को लेने नहीं गए।

स्कूल वैन चालकों की प्रमुख मांगें

- स्कूल वैन चालकों द्वारा परमिट न होने व अन्य कारणों से लगाई गई पैनेल्टी माफ करने की मांग की जा रही है।
- स्कूल वैन की अनावश्यक जांच और कार्रवाई न की जाए।
- परिवहन विभाग द्वारा उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए हेल्प डेस्क बनाई जाए। जिससे कि उन्हें कार्यालय में भटकना नहीं पड़े। स्कूल वैन के परमिट आदि से संबंधित सारे कार्य एकल खिड़की पर हों
- स्कूल वैनों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलडीटी) और पैनिक बटन लगवाने को तैयार हैं। कंपनियों की अधिकृत फ्रेंचाइजी यह 10 से 12 हजार रुपये में लग रही है। जबकि बाजार में इनका मूल्य पांच से छह हजार रुपये तक है।
- वन टाइम टैक्स देने में 25 हजार से एक लाख रुपये तक खर्चा आ रहा है। इसे पहले की तरह तिमाही किया जाए। जिससे चालकों को सुविधा होगी।

वैधानिक सूचना

सुधि पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गये तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति विज्ञापन दाता खुद ही जिम्मेदार है, पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहानिक जानकारी कर लें। किसी भी विज्ञापन से पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो न्यूज नेक्स्ट इंडिया के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

\- प्रबंधक विज्ञापन

समाचार पत्र में छपे किसी भी लेख के लिए प्रधान संपादक उत्तरदायी नहीं है। प्रकाशित विभिन्न रचनाओं के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है। समाचार पत्र में प्रकाशित सामिग्री / विज्ञापन आदि से प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र सिर्फ आगरा होगा।

साक्ष्यों के अभाव में दहेज हत्या में पति, सास और ससुर बरी

एनएनआई

आगरा। दहेज हत्या के माम ले में अपर जिला सत्र न्याया धीश ने पति, सास और ससुर को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (न्यायालय संख्या-19) के पीठासीन अधिकारी लोकेश कुमार ने साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का विस्तृत परीक्षण करने के बाद आरोपी पति रवि, सास रेखा देवी और ससुर कोमल सिंह को सभी आरोपों से दोषमुक्त करते हुए रिहा करने के आदेश दिए।

सिकंदरा थाना क्षेत्र के गांव रेती का नगला निवासी रवि का विवाह 8 मार्च 2018 को सोनिया के साथ हुआ था। शादी के कुछ समय बाद सोनिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। मृतका के भाई सूरज उर्फ शिशुपाल ने 12 मार्च 2023 को सिकंदरा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोप लगाया गया कि शादी के बाद से ही सोनिया को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। सोनिया की हत्या करने के बाद उसके शव को आत्म हत्या का रूप देने के लिए फांसी के फंदे पर लटका दिया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने, गवाहों के बयानों का मिलान करने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अध्ययन करने के बाद अपना फैसला सुनाया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोकेश कुमार ने कहाकि गवाहों के बयानों में पाए गए विरोधा भासों के कारण संदेह का लाभ आरोपियों को जाता है। करीब तीन साल चार महीने तक चली लंबी कानूनी प्रक्रिया और सुनवाई के बाद मुख्य आरोपी पति रवि को जेल से रिहा करने के आदेश दिया। बचाव पक्ष की ओर से पैरवी वंशो बाबू एडवो केट, संजय कुशवाहा एडवोकेट और दीपक वर्मा एडवोकेट ने की।

लाइब्रेरी से लौट रही छात्रा से मोबाइल लूटने की कोशिश, दबोचे गए शातिर

एनएनआई

आगरा। आगरा के एत्माउद्दौला इलाके में गुरुवार शाम लाइब्रेरी से घर लौट रही एक छात्रा से मोबाइल लूटने का प्रयास किया गया। बाइक सवार दो बदमाशों ने छात्रा का मोबाइल छीनने की कोशिश की, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। बाद में बदमाशों को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि नुनीहाई निवासी छात्रा नीलम वर्मा गुरुवार शाम को लाइब्रेरी से पढ़कर अपने घर जा रही थी। पीलखार पुलिया के पास छात्रा ने बात करने के लिए जैसे ही अपना मोबाइल फोन बैग से निकाला, तभी पीछे से स्प्लेंडर बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसका फोन छीन लिया। छात्रा के शोर मचाने पर आसपास के लोग तुरंत हरकत में आए। उन्होंने बदमाशों का पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उन्हें पकड़ लिया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बदमाशों को हिरासत में लेकर थाने ले गई।पुलिस फिलहाल दोनों शातिरों से पूछताछ कर रही है। छात्रा द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस इस मामले में मुकदमा दर्ज कर रही है। पकड़े गए आरोपी सूरज और शनि ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के प्रकाश पुरम के बताए गए हैं।

NNI
हर खबर पर पक्की नजर
पत्रकारिता हमारा धर्म
निष्पक्षता हमारी पहचान
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
आगरा
www.nnindianews.com
शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026

बाल विवाह

बचपन के सपनों की हत्या और कानून की सख्त चेतावनी

कच्ची उम्र में किया विवाह तो होगी जेल

'18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह कानूनन अपराध है – जानिए अधिकार, कानून और आपकी जिम्मेदारी।'

परंपरा नहीं, बच्चों के अधिकारों पर प्रहार

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, संवैधानिक अधिकार, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि जागरूक समाज ही इस कुरीति को समाप्त कर सकता है।

विज्ञान, शिक्षा और तकनीकी विकास के बावजूद बाल विवाह आज भी एक गंभीर सामाजिक चुनौती बना हुआ है। यह केवल एक परंपरा या पारिवारिक निर्णय नहीं है, बल्कि बच्चों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन और कानून की दृष्टि में दंडनीय अपराध है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है लेकिन बाल विवाह इन सभी अधिकारों को एक साथ छीन लेता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि पिछले वर्षों में बाल विवाह के मामलों में कमी अवश्य आई है, लेकिन देश के अनेक राज्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या अब भी मौजूद है। आर्थिक कठिनाइयाँ, सामाजिक रूढ़ियाँ, दहेज का डर, अशिक्षा, असुरक्षा की भावना तथा पारंपरिक सोच इसके प्रमुख कारण हैं। कई परिवार यह मान लेते हैं कि कम उम्र में विवाह करने से बेटी सुरक्षित रहेगी, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है।

बाल विवाह के दुष्परिणाम

बाल विवाह का सबसे बड़ा नुकसान बच्चों के भविष्य पर पड़ता है। कम उम्र में विवाह होने से अधिकांश बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। विशेषकर लड़कियों की शिक्षा बीच में छूट जाती है, जिससे उनका आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण बाधित होता है। कम उम्र में गर्भधारण मातृ मृत्यु, शिशु मृत्यु, कुपोषण, एनीमिया और अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं का जोखिम बढ़ा देता है। मानसिक रूप से भी बच्चा वैवाहिक जिम्मेदारियों के लिए तैयार नहीं होता, जिससे तनाव, अवसाद और घरेलू हिंसा जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। बाल विवाह गरीबी के दुष्चक्र को भी आगे बढ़ाता है। शिक्षा अधूरी रहने से रोजगार के अवसर सीमित हो जाते हैं और अगली पीढ़ी भी अभाव में जीवन बिताने को विवश हो सकती है।

आज भी 20 फीसदी बाल विवाह

बाल विवाह की स्थिति का आकलन करने के लिए भारत में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस) को सबसे विश्वसनीय स्रोतों में माना जाता है। एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार भारत में 20-24 वर्ष आयु वर्ग की 23.3% महिलाओं का विवाह 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो गया था। यह स्थिति एनएफएचएस-4 (2015-16) के 26.8% की तुलना में बेहतर है, जिससे स्पष्ट होता है कि बाल विवाह में कमी आई है, लेकिन समस्या अभी भी गंभीर बनी हुई है। हाल के एनएफएचएस-6 (2023-24) के प्रारंभिक निष्कर्षों के अनुसार यह प्रतिशत घटकर लगभग 20.1% रह गया है। यह सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि चुनौती समाप्त हो गई है। देश के अनेक ग्रामीण और सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों में आज भी बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं, इसलिए कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक जागरूकता दोनों की आवश्यकता बनी हुई है।

नरेश कुमार पारस
अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट

दंड का प्रावधान

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार–

–बाल विवाह कराने, उसमें भाग लेने या उसे संपन्न कराने पर दो वर्ष तक का कारावास, एक लाख रुपये तक का जुर्माना, अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है।

यह दंड केवल माता-पिता तक सीमित नहीं है, बल्कि विवाह कराने वाले और सहयोग करने वाले अन्य व्यक्तियों पर भी लागू हो सकता है।

क्या कहता है कानून?

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत–

- बाल विवाह कराना अपराध है।
- विवाह में सहयोग करने वाले माता-पिता, रिश्तेदार, पंडित, मौलवी, काजी, पुरोहित, बिचौलिया तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भी कार्रवाई हो सकती है।
- न्यायालय बाल विवाह रोकने के लिए निषेधाज्ञा (इंजंक्शन) जारी कर सकता है।
- बाल विवाह से प्रभावित बच्चे को भरण-पोषण, संरक्षण और अन्य कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।
- बाल विवाह से जन्मे बच्चों की वैधता और उनके अधिकार सुरक्षित रहते हैं।

बाल विवाह की कानूनी परिभाषा

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 (प्रोहिबिशन ऑफ चाइल्ड मैरिज एक्ट, 2006) के अनुसार–

- 21 वर्ष से कम आयु का पुरुष बालक माना जाता है।
- 18 वर्ष से कम आयु की महिला बालिका मानी जाती है।

यदि इन आयु सीमाओं से पहले विवाह कराया जाता है तो वह बाल विवाह है। ऐसा विवाह कराना, उसमें सहयोग देना, उसका आयोजन करना या उसे बढ़ावा देना कानूनन अपराध है।

शेष अगले अंक में

श्रमिकों को ठेकेदारों औरी निर्माण कंपनियों में प्राथमिकताः तुलाराम शर्मा

श्रमिको को 'पेंट्स एंड कोटिंग्स स्किल काउंसिल' द्वारा प्रमाणित कौशल प्रमाण पत्र वितरित किए गए

एनएनआई

आगरा। उत्तर प्रदेश ग्रामीण मजदूर संगठन व बी.डब्लू. आई द्वारा आयोजित हितधारक संवाद में असंगठित क्षेत्र के श्रमिको को 'पेंट्स एंड कोटिंग्स स्किल काउंसिल' द्वारा प्रमाणित कौशल प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय श्रमिकों को मान्यता प्राप्त कौशल देकर उनकी रोजगार क्षमता और आय में वृद्धि करना है उत्तर प्रदेश के असंगठित क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों के आर्थिक और व्यावसायिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उत्तर प्रदेश ग्रामीण मजदूर संगठन व बी.डब्लू. आई ने 'पेंट्स एंड कोटिंग्स स्किल काउंसिल' द्वारा प्रमाणित प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन हितधारक संवाद के दौरान किया। कार्यक्रम उत्तर प्रदेश ग्रामीण मजदूर संगठन द्वारा संचालित कौशल विकास केन्द्र मण्डी मिर्जा खाँ फतेहपुर सीकरी आगरा में संपन्न हुआ, जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पेंटर्स को 'पेंट्स एंड कोटिंग्स स्किल काउंसिल' द्वारा मान्यता प्राप्त कौशल प्रमाणपत्र सौंपे गए। संगठन के अध्यक्ष तुलाराम शर्मा ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के मजदूर जो वर्षों से असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे है, उनके कौशल को मान्यता दिलाने के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम है। श्रमिकों को ठेकेदारों और बड़ी निर्माण कंपनियों द्वारा अधिक प्राथमिकता और बेहतर मजदूरी मिल सकेगी। इससे इन श्रमिकों की आजीविका में सुधार होगा और उनकेजीवन स्तर में वृद्धि होगी। मंण्डी मिर्जा खाँ के प्रधान गिरीश कुशवाह ने कहा कि उनका सहयोग संगठन के साथ हमेशा से है व सगंठन द्वारा प्रशिक्षित श्रमिको को पंचायत स्तर पर जो भी सहयोग होगा।

यमुना तट पर गूंजा 'जय जगन्नाथ'

रथयात्रा महोत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

- दो सौ वर्ष पुराने प्राचीन मंदिर में देर रात तक गूंजते रहे जय जगन्नाथ के जयकारे
- रथयात्रा दर्शन का श्रद्धालुओं ने लिया पुण्य लाभ, भजन संध्या में भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु

एनएनआई

आगरा। यमुना किनारा, बेलनगंज स्थित लगभग दो सौ वर्ष प्राचीन जगन्नाथ महाराज मंदिर में श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथयात्रा स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। पूरे मंदिर परिसर में 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष, भजन-कीर्तन और भक्तिमय वातावरण ने सभी को भावविभोर कर दिया। भगवान श्री जगन्नाथ के रथयात्रा स्वरूप के दर्शन प्रारंभ हुए, जो रात्रि 11 बजे तक निरंतर चलते रहे। श्रद्धालुओं ने प्रभु के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।

मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा भगवान का विशेष श्रृंगार भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। रथयात्रा दर्शन के अवसर पर आयोजित भजन संध्या में भगवान श्री जगन्नाथ के भजनों एवं संकीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु देर रात तक भजन-कीर्तन में झूमते रहे। भगवान के जयकारों और संकीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया।

श्री मनःकामेश्वर मंदिर मठ के महंत योगेश पुरी ने मंदिर में दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए कहा कि प्राचीन मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक ऊर्जा के जीवंत केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि नए मंदिरों का निर्माण अवश्य होना चाहिए, क्योंकि यह धर्म और आस्था के विस्तार का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ ही हमें अपनी प्राचीन धरोहरों और परंपराओं को कभी नहीं भूलना चाहिए। श्री प्रेमनिधि मंदिर के मुख्य सेवायत सुनीत गोस्वामी ने समाज, धमाचार्यों और प्रशासन से ऐसे प्राचीन मंदिरों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी इस अमूल्य सांस्कृतिक विरासत से जुड़ सकें। सीए राकेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी शहर की वास्तविक पहचान केवल उसकी आधुनिक इमारतों से नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों से होती है। यमुना तट पर स्थित श्री जगन्नाथ महाराज मंदिर आगरा की ऐसी ही अमूल्य विरासत है, जिसने दो शताब्दियों से आस्था की ज्योति को निरंतर प्रज्वलित रखा है। महोत्सव को सफल बनाने में स्नेहा शर्मा, चिराग शर्मा, आदर्श नंदन गुप्त, पूनम भारद्वाज, रवि राठौर, पवन सिंघल, संजीव अग्रवाल, राजेश खंडेलवाल, तरंग सिंघल आदि का सहयोग रहा।

श्रद्धा और आस्था के साथ प्रारंभ हुआ भगवान झूलेलाल साईं का चालिया महोत्सव

- आरती, अरदास और समाज की मंगलकामना के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

एनएनआई

आगरा। पूज्य सिंधी पंचायत, शहीद नगर के तत्वावधान में भगवान झूलेलाल साईं के पावन चालिया महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ श्री झूलेलाल मंदिर, शहीद नगर में हुआ, प्रथम दिवस समाजसेवी श्याम भोजवानी ने ईष्टदेव भगवान झूलेलाल साईं को पुष्पमाला अर्पित कर अखंड ज्योति प्रज्वलित की तथा समस्त समाज की सुख समृद्धि एवं विश्व कल्याण की प्रार्थना की। सिंधी महिला मंडल, शहीद नगर द्वारा भगवान झूलेलाल साईं की आराधना, भजन कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन किया गया, मंदिर की पुरोहिता इंद्रा शर्मा ने विधि विधान से पूजा अर्चना संपन्न कराते हुए बताया कि चालिया महोत्सव के 40 दिनों तक अखंड ज्योति के समक्ष प्रतिदिन आरती, अरदास और समाज की मंगलकामना के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को मीठे चावल, छोले एवं मिष्ठान का प्रसाद वितरित किया गया, इस अवसर पर समाजसेवी श्याम भोजवानी, हरीश शर्मा, दौलत मोडवानी, रमेश देवनानी, हरीश चंदानी, मनोज मोडवानी, कमल भोजवानी, कोमल नाजवानी, सीमा खानचंदानी,रिया चंदानी, भारती मोडवानी, भानु खानचंदानी, मोहन लालवानी, गीता, रेखा, पूजा, निर्मला, दिशा, देवी, मंजू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे

वंस मोर सीजन-4 में चमके शहर के दो रचनाकार

दूरदर्शन उत्तर प्रदेश पर होगा वंस मोर सीजन-4 कवि सम्मेलन का प्रसारण

एनएनआई

आगरा। दूरदर्शन उत्तर प्रदेश के चर्चित कार्यक्रम वंस मोर सीजन- 4 कवि सम्मेलन में लखनऊ, मेरठ और शाहजहाँपुर के साथ आगरा भी चमका। आगरा की सुप्रसिद्ध कवयित्री चेतना शर्मा सँग कुमार ललित के काव्य-पाठ को देश के जाने-माने कवियों की सराहना मिली। राम शब्द बेनूर के निर्देशन और संयोजन तथा जाने-माने हास्य कवि स्माइल मैन डॉ. सर्वेश अस्थाना के बेहतरीन संचालन में आगरा की सुप्रसिद्ध कवयित्री चेतना शर्मा और उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा सम्मानित कवि कुमार ललित को भी काव्य पाठ करने का सुअवसर मिला। एक से एक उम्दा दोहों के बाद कुमार ललित का यह गीत सबके दिलों पर छा गया। गीत का मुखड़ा प्रस्तुत है - 'सृष्टि का विज्ञान साँसों की सतत आराधना है। जिंदगी बस हाथ में जल रोकने की साधना है..' इनके साथ मेरठ के विख्यात कवि सौरभ जैन 'सुमन' और शाहजहाँपुर के डॉ. इंदु अजनबी ने भी अपने काव्य- पाठ से सबको भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का प्रसारण 20 जुलाई, सोमवार को शाम 7:30 बजे केवल डीडी यूपी पर किया जाएगा।

लायंस क्लब ऑफ आगरा विशाल सैफायर की नई प्रबंध कार्यकारिणी घोषित

- स्वर्ण जयंती वर्ष के विशेष आयोजनों के लिए सीए राकेश अग्रवाल को मिली अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी
- जरूरतमंद और असहाय लोगों की सेवा एवं कल्याण के लिए और अधिक गतिविधियां करेंगे संचालितः राकेश अग्रवाल

एनएनआई

आगरा। लायंस क्लब ऑफ आगरा विशाल सैफायर की नई प्रबंध कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। इस वर्ष क्लब का स्वर्ण जयंती वर्ष होने के कारण विशेष आयोजनों के लिए सीए राकेश अग्रवाल को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। मनीष बंसल को सचिव तथा सोम मित्तल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष सीए राकेश अग्रवाल ने बताया कि इस स्वर्ण जयंती वर्ष में क्लब द्वारा जरूरतमंद व असहाय लोगों की सेवा एवं कल्याण हेतु और अधिक गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। इस अवसर पर क्लब की पूर्व कार्यकारिणी के ला. सुनील गुप्ता, ला. अजय मनचंदा, पूर्व अध्यक्ष ला. अजय बंसल, ला. सुनील अग्रवाल, ला. संजय बंसल, ला. अनूप गुप्ता आदि ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी।

newsnextindia1@gmail.com
NNI हर खबर पर पक्की नज़र
न्यूज नेक्स्ट इंडिया

जीरो पावर्टी अभियान में लाएं तेजी

कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं से न रहे वंचितः जिलाधिकारी

एनएनआई

आगरा। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय पर जीरो पावर्टी योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद की पात्र लाभार्थियों की जीरो पावर्टी सूची तलब कर सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित किए जाने हेतु हुई प्रगति की जानकारी ली। जिसमें पीपीटी प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया गया कि पीएम व सीएम आवास योजना के अंतर्गत 46 पात्र परिवारों को आवास तथा 14 परिवारों को लाभ दिलाए जाने हेतु सत्यापन प्रक्रिया चल रही है, जन आरोग्य योजना में 1143 परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं से आच्छादित किया गया है, राशन कार्ड हेतु चिह्नित 2609 पात्र परिवारों में से 2595 को राशनकार्ड से आच्छादित किया गया है शेष प्रक्रियाधीन हैं, जल्द ही आच्छादित किया जाएगा, दिव्यांगजन पेंशन हेतु चिह्नित 174 पात्रों ,विधवा पेंशन के 63 पात्रों को शतप्रतिशत पेंशन सुविधा प्रदान की गई है। वृद्धावस्था पेंशन हेतु चिह्नित 712 पात्र में से 546 को पेंशन से आच्छादित किया गया हैं शेष की प्रक्रिया प्रगति पर है।

बैठक में बताया गया कि जनपद में आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को चिन्हित कर उन्हें जीरो पावर्टी योजना से जोड़ा जा रहा है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले पात्र लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर उन्हें गरीबी मुक्त करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे सभी पात्र परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़ा जाए, जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है तथा जो अभी तक किसी योजना के लाभ से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि जीरो पावर्टी अभियान का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र परिवार को आवास, राशन, स्वास्थ्य, पेंशन, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से पूर्ण रूप से आच्छादित कर उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर उठाकर

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, सीएमओ डॉ अरुण श्रीवास्तव, बीएसए राकेश कुमार सिंह, जिला आपूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह,डीपीआरओ मनीष कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

आईएचपी केंद्रीय कार्य समिति की बैठक 26 को हैदराबाद में

■ आगरा से आईएचपी सेंट्रल जोन के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. राजेन्द्र सिंह भी लेंगे भाग

एनएनआई

आगरा। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होमियोपैथिक फिजिशियंस (आईएचपी) की केंद्रीय कार्य समिति की बैठक रविवार 26 जुलाई को जेआईआईएमएस होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज हैदराबाद में आयोजित हो रही है। इस बैठक में नवंबर माह में होने वाली इंटरनेशल होम्योपैथिक कॉन्क्लेव पर चर्चा होगी। कॉन्फ्रेंस में देश- विदेश के हजारों होम्योपै थिक फिजिशियंस, छात्र- छात्राओं के भाग लेने की संभावना है। इसी के साथ आगामी वर्ष 2027 में आईएचपी की राष्ट्रीय होम्योपैथिक कांग्रेस जो कि लखनऊ में आयोजित होगी पर भी चर्चा होगी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फिजिशियंस के चीफ कॉर्डिनेटर सेंट्रल जोन डॉ. राजेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि होम्योपैथिक और आईएचपी की मजबूती के लिए अन्य विषयों पर भी चर्चा होगी। इस बैठक में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश से आईएचपी चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. राजेन्द्र सिंह, स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. ओपी श्रीवास्तव, जनरल सेक्रेटरी डॉ. अंबुज शुक्ला और पूर्व सेक्रेटरी जनरल डॉ. सुधांशु आर्य भी भाग लेंगे।

किसानों को 50% अनुदान पर मिलेंगे कृषि यंत्र

आगरा एनएनआई। किसान भाइयों के लिए आधुनिक खेती अपनाने और अपनी आय बढ़ाने का एक और सुनहरा अवसर सामने आया है। योगी सरकार की विभिन्न कृषि कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्रों और कृषि रक्षा उपकरणों पर 50 प्रतिशत तक का भारी अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए जनपद में ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया आज 16 जुलाई 2026 दोपहर 12:00 बजे से शुरू हो चुकी है, जो आगामी 30 जुलाई 2026 की रात 12:00 बजे तक जारी रहेगी। पात्र लाभार्थी समय रहते विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर इसका लाभ उठा सकते हैं।

योजना के तहत कृषि विभाग द्वारा एग्रीगेटर, कस्टम हायरिंग सेंटर, मशीनरी बैंक, कृषि ड्रोन, ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट (10 टन क्षमता), मिनी ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट, दाल मिल सहित अन्य एकल कृषि यंत्रों और कृषि रक्षा उपकरणों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक किसान, ग्रामीण उद्यमी (कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए) और एफपीओ (फार्म मशीनरी बैंक के लिए) कृषि विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यंत्र बुकिंग प्रारम्भ लिंक पर क्लिक करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

योगी सरकार के दिशा- निर्देशों के अनुसार, फसल अवशेष प्रबंधन (पराली प्रबंधन) वाले कृषि यंत्रों पर अधिकतम 50% या निर्धारित अधिकतम धनराशि (दोनों में से जो कम हो) अनुदान के रूप में दी जाएगी। आवेदन के समय ही कृषकों को यंत्रवार निर्धारित जमानत धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। 10,000 से अधिक और 1,00,000 तक के अनुदान वाले यंत्रों के लिए 2,500 तथा 1 लाख से अधिक अनुदान वाले यंत्रों के लिए 5,000 की जमानत राशि तय की गई है। टोकन कन्फर्म होने के बाद लाभार्थियों को अधिकतम 10 दिनों के भीतर कृषि यंत्र खरीदकर उसकी रसीद, यंत्र के साथ फोटो और संबंधित अभिलेख पोर्टल एवं पर अपलोड करने होंगे।

किसानों को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाना सरकार का संकल्प

उपनिदेशक कृषि मुकेश कुमार ने जनपद के किसानों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप किसानों को समृद्ध, आत्मनिर्भर और खेती को तकनीक से जोड़ने के लिए यह पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था लागू की गई है। एग्रीगेटर (परियोजना लागत ?100 लाख) और शुगरकेन हार्वेस्टर की बुकिंग राज्य स्तर पर होगी, जबकि अन्य कृषि यंत्रों की बुकिंग विकासखण्डवार की जाएगी। इस योजना से जहां किसानों की लागत कम होगी, वहीं पराली प्रबंधन जैसे पर्यावरण अनुकूल यंत्रों से धरती की उर्वरा शक्ति भी सुरक्षित रहेगी। हमारा प्रयास है कि जनपद का हर पात्र किसान इस योजना से जुड़कर लाभान्वित हो।

सेल्फी प्वाइंट के बाथरूमों पर एक बार फिर लगा ताला

आगरा एनएनआई। सेल्फी प्वाइंट आगरा पर बाथरूमों पर ताला लगने से पर्यटकों को करना पड़ रहा है परेशानी का सामना सेल्फी प्वाइंट के पास ही बनाई गई है ताजमहल की पार्किंग जिससे ओर पर्यटकों को हो रही है परेशानी।। बाथरूमों की नहीं होती है साफ सफाई रहता है गंदगी का अंबार। रजत फौजदार राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड ने आगरा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से मांग की है कि जनहित में देखते हुए तत्काल प्रभाव से बाथरूमों को खुलवाना चाहिए जिससे पर्यटकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

सीएटीसी कैंप में अल्फा कंपनी बनी चैंपियन

एनएनआई

आगरा। वन यूपी बटालियन, एनसीसी, द्वारा संचालित सीएटीसी-06 कैंप राम आदर्श महाविद्यालय,पनवारी में दस दिवसीय कैंप का समापन हुआ जिसमे कैम्प कमांडेंट कर्नल दीपक जुयाल बताया कि ट्रेनिंग के दौरान कैडिटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर तथा खेल कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम में अव्वल रहे कैडिटों को समापन अवसर पर पुरस्कृत किया गया।

कैम्प सीनियर पार्त्तिक गुरंग, अल्फा कंपनी सीनियर प्रतीक खंडेलवाल, ब्रैवो कंपनी सीनियर हर्षित भाँगुर,चार्ली कंपनी सीनियर रोहित, डेल्टा कंपनी सीनियर समायरा सिंह , सोनम सिंह पायलटिंग के लिए प्रिया कुमारी, काजल, संचालन के लिए जाह्नवी,मानसी ,शगुन ,राधिका सहित खिलाड़ियों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदर्शन करने वाले कैडिटों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन एनसीसी सॉन्ग के साथ हुआ। डिप्टी कैंप कमांडेंट मेजर शंभू पांडे , कैंप क्वार्टर मास्टर फर्स्ट अफसर विकास मिश्रा, कैंप पी आर ओ फर्स्ट अफसर ज्ञानेंद्र तिवारी, कैंप कल्चरल कोऑर्डिनेटर एस ओ रजनी और कैंप मैसिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट वरुण कुमार उपस्थित रहे। व्यवस्थाओ में सूबेदार मेजर निर्मल सिंह, कैंप जेसीओ बृजपाल सिंह,एम टी जेसीओ राजेंद्र लाल शाह,ट्रेनिंग जेसीओ एच आर यादव, जेक्यूएम श्याम बुद्धाथोकि, बीएचएम मोहम्मद मोइनुद्दीन, ट्रेनिंग एनसीओ धीरज कुमार गुरंग,हवलदार मोहिंदर सिंह उपस्थित रहे।

4ई फार्मूला अपनाने से रुक सकते हैं एक्सीडेंट

एनएनआई

आगरा। एस. एन. मेडिकल कॉलेज, के सर्जरी विभाग द्वारा 'भारतीय सड़कों पर मृत्यु दर का खतरनाक रुझान' पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला एवं प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया गया।

विशिष्ट अतिथि एडीसीपी अलका ने एक चिंताजनक आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि दुनिया भर में सड़क हादसों में होने वाली हर 7 मौतों में से 1 मौत भारत में होती है दुर्घटनाओं की वजहों जैसे अचानक यू-टर्न और सड़क की गलतियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने इससे निपटने के लिए 4ई फार्मूले पर विशेष बल दिया।

1. इंजीनियरिंग: सड़कों की बनावट में सुधार और साइनेज (यातायात चिह्नों) को सही तरीके से जानना।
2. एजुकेशन: स्कूलों, कॉलेजों और कार्यशालाओं (वर्कशॉप्स) के माध्यम से लोगों को जागरूक करना।
3. एन्फोर्समेंट: यातायात नियमों का कड़ाई से पालन।
4. इमरजेंसी केयर : दुर्घटना के बाद त्वरित चिकित्सा सहायता। इसके साथ ही उन्होंने सरकार की पीएम राहत योजना के तहत मिलने वाले 2.5 लाख रुपये के मुफ्त इलाज की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ ने सड़क दुर्घटनाओं के वैज्ञानिक विश्लेषण और व्यावहारिक दृष्टिकोण पर विस्तार से एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने इस विषय पर आधारित अपनी पुस्तक सूनामी ऑन रोड्स के बारे में भी उपस्थित चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को बताया कि कैसे ट्रैफिक इंजीनियरिंग और ट्रॉमा केयर मिलकर अमूल्य जानें बचा सकते हैं। मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्य प्रो. प्रशांत गुप्ता ने अपने संबोधन में सभी से अनिवार्य रूप से यातायात नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करने की अपील की। सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता ने वाहन चालकों को गाड़ी चलाते समय धैर्य रखने और रोड रेज से बचने की सलाह दी।

मनु की तलाश तेज, डीसीपी ने परिवार से मिल दिए निर्देश

एनएनआई

फतेहपुर सीकरी। ग्राम कराही के नगला रमले से नौ जुलाई से लापता 12 वर्षीय मनु राजपूत की तलाश तेज कर दी गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी पश्चिमी आदित्य ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें जल्द बच्ची की सकुशल बरामदगी का भरोसा दिया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रामेश्वर चौधरी भी मौजूद रहे।

डीसीपी ने अधीनस्थ अधिकारियों को विशेष टीम गठित कर सभी संभावित स्थानों पर तलाश अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्ची की बरामदगी पुलिस की प्राथमिकता है और उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। मनु राजपूत पुत्री सतीश राजपूत नौ जुलाई से लापता है। परिजनों के अनुसार वह बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन के बावजूद अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। बच्ची का कद करीब चार फीट और रंग गोरा बताया गया है।

वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रामेश्वर चौधरी ने पुलिस अधिकारियों से बच्ची की शीघ्र एवं सकुशल बरामदगी के लिए प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार प्रयास कर रही है और उम्मीद है कि मनु को जल्द सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी को बच्ची के संबंध में कोई भी जानकारी मिले तो तत्काल थाना पुलिस अथवा उसके परिजनों को सूचित करें, जिससे उसे सकुशल परिवार तक पहुंचाया जा सके। परिजनों ने भी पुलिस प्रशासन से तलाश अभियान में तेजी लाने की मांग की है। वहीं गांव में बच्ची के लापता होने को लेकर चिंता का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण उसकी सुरक्षित वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं।

मुख्य बाजार की सड़क पर फिर हुई खानापूर्ति, लोगों में बढ़ा आक्रोश

एनएनआई

पिनाहट। कस्बे के मुख्य बाजार में खराब सड़क की मरम्मत के नाम पर एक बार फिर केवल गड्ढों में गिट्टी डालकर औपचारिकता पूरी किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों का कहना है कि बिना डामरीकरण के की जा रही यह मरम्मत लंबे समय तक टिकाऊ साबित नहीं होगी। मुख्य बाजार मार्ग पर कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं। हाल ही में हुई बारिश के बाद सड़क की हालत और खराब हो गई थी। अब गड्ढों में केवल गिट्टी डालने से कुछ ही समय में सामग्री सड़क पर फैलने लगी है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग पूरे कस्बे का सबसे व्यस्त मार्ग है, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में अस्थायी मरम्मत के बजाय सड़क का गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी निर्माण कराया जाना चाहिए। नागरिकों ने संबंधित विभाग से जल्द प्रभावी कार्रवाई कर मुख्य बाजार की सड़क को पूरी तरह दुरुस्त कराने की मांग की है।

विकलांग महिला का फंदे पर लटका मिला शव, मायके पक्ष ने जताई हत्या की आशंका

फतेहाबाद अ। निबोहरा थाना क्षेत्र के गांव निबोहरा में 36 वर्षीय दिव्यांग महिला का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मायके के पक्ष ने हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गीता देवी (36) पुत्री मुरारी लाल निवासी देवरी, आगरा की शादी करीब 20 वर्ष पूर्व निबोहरा निवासी विनोद कुमार पुत्र रामसिया के साथ हुई थी। पति-पत्नी दोनों ही दिव्यांग बताए गए हैं। दंपति के दो बेटे हैं, जिनमें अमन (15 वर्ष) और विवेक (12 वर्ष) शामिल हैं।

मृतका के चचेरे भाई मुकेश पुत्र पूरन सिंह ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष ने गीता देवी के साथ मारपीट कर उसकी हत्या करने के बाद शव को फंदे पर लटका दिया।

वहीं ग्रामीणों के अनुसार, गुरुवार को पति-पत्नी के बीच बकरी बांधने को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद विनोद काम पर चला गया, जबकि गीता देवी दोनों बेटों के साथ घर पर थीं।

मृतका के बेटों ने बताया कि वे मां के साथ सो रहे थे। कुछ देर बाद छोटे बेटे विवेक की नींद खुली तो उसने मां को पास नहीं देखा। तलाश करने पर कमरे में गीता देवी साड़ी के फंदे से लटकी मिलीं। विवेक ने तुरंत बड़े भाई अमन को इसकी जानकारी दी। बच्चों ने यह भी बताया कि घटना के समय घर पर उनके अलावा कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था।

घटना की सूचना मिलते ही निबोहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार गौतम ने बताया कि महिला के फांसी लगाने की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डूंगरवाला में बेखौफ चोरों का आतंक, सोते रहा परिवार, पायल-नकदी समेत सामान हो गया चोरी

खेरागढ़ एनएनआई। थाना क्षेत्र के गांव डूंगरवाला में बेखौफ चोरों ने मंगलवार-बुधवार की रात एक घर को निशाना बनाते हुए पीछे की दीवार तोड़कर सनसनीखेज चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर अलमारी और संदूकों के ताले तोड़कर तीन जोड़ी चांदी की पायल, करीब 13,500 रुपये की नकदी और एक मिक्सी चोरी कर ले गए। घटना से गांव में दहशत का माहौल है।

पीड़िता कल्पना ने बताया कि रात के समय वह अपने दो बच्चों के साथ घर में सो रही थीं। घर में उनकी सास इंद्रा और जन्म से दृष्टिबाधित (अंधे) देवर सूरदास रामबरन भी मौजूद थे। इसी दौरान चोर मकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुस आए। बदमाशों ने एक-एक कर अलमारी

और संदूकों के ताले तोड़े तथा आराम से सामान समेटकर फरार हो गए। पूरी वारदात के दौरान घर के किसी सदस्य को आहट तक नहीं लगी। बुधवार सुबह करीब 5 बजे कल्पना जब कमरे खोलने पहुंचीं तो पीछे की दीवार टूटी देखकर उनके होश उड़ गए। अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी व संदूकों के ताले टूटे हुए थे। सामान की जांच करने पर तीन जोड़ी पायल, करीब 13,500 रुपये की नकदी और एक मिक्सी गायब मिली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर डायल-112 और थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस मामले की जांच कर चोरों की तलाश में जुट गई है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि यदि रात में प्रभावी पुलिस गश्त होती तो इस तरह की वारदातों पर अंकुश लगाया जा सकता था। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

शिक्षक के बेटे ने बढ़ाया चंबल घाटी का मान, आदित्य समाधियां ने नीट में रचा इतिहास

एनएनआई

पिनाहट (आगरा)। कस्बा पिनाहट के लिए गर्व का पल। यहां के होनहार छात्र आदित्य समाधियां ने नीट यूजी 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। आदित्य ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी में ऑल इंडिया 6वीं रैंक और ऑल इंडिया जनरल रैंक 146 हासिल की है। इस ऐतिहासिक सफलता के साथ आदित्य का चयन देश के सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थान एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस के लिए हुआ है।

आदित्य समाधियां पुत्र संदेश समाधियां निवासी पिनाहट के रहने वाले हैं। उनके पिता संदेश समाधियां पेशे से शिक्षक हैं और माता गृहणी हैं। आदित्य ने शुरूआती पढ़ाई पिनाहट से ही की। 12वीं के बाद से ही उनका सपना डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने का था। इसी लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने दिन-रात एक कर पढ़ाई की।

आदित्य ने बताया कि नीट की तैयारी के दौरान वह रोजाना 10 से 12 घंटे पढ़ाई करते थे। ऑनलाइन क्लास, मॉक टेस्ट और सेल्फ स्टडी को उन्होंने अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। उन्होंने कहा कि "सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लक्ष्य तय करके लगातार मेहनत और अनुशासन से हर मुश्किल आसान हो जाती है।"

ईडब्ल्यूएस में 6वीं रैंक के साथ एम्स दिल्ली में हुआ चयन

आदित्य के चयन की सूचना मिलते ही घर और पूरे पिनाहट क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, रिश्तेदारों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और मिठाइयां बांटीं। लोगों ने आदित्य को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि आदित्य बचपन से ही मेधावी छात्र रहा है। उसकी लगन और विनम्र स्वभाव सभी को प्रेरित करता है।

एम्स दिल्ली में प्रवेश मिलने पर आदित्य ने कहा कि वह एक अच्छा डॉक्टर बनकर गरीब और जरूरतमंद मरीजों की सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने क्षेत्र के अन्य छात्रों से भी कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी हौसला न हारें। थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं ने भी आदित्य की सफलता पर हर्ष जताया है और कहा कि आदित्य जैसे युवा ही क्षेत्र का नाम ऊंचा करेंगे।

जनसंपादकीय

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है। मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे। नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी।मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा। बनारसी दास चतुर्वेदी जनपदीय भाषाओं को बढ़ावा देने के जरिए भाषायी लोकतंत्र की वकालत कर रहे थे। उन्हें पता था कि जनपदीय भाषाओं के आपसी संपर्क और संवाद के लिए हिंदी ही सहयोगी होगी। इसलिए वे जनपदीय भाषाओं के विस्तार के जरिए हिंदी को बढ़ावा दे रहे थे। नेपाल के हिंदी समर्थकों को भी आपसी भाषाओं के बीच कुछ उसी तरह सौहार्द को बढ़ावा देते हुए हिंदी के विकास की बात करनी होगी। इसी बहाने नेपाल में वे हिंदी को प्रतिष्ठापित करने में सफल हो सकेंगे।

उमेश चतुर्वेदी, लेखक मीडिया समीक्षक हैं
(लेखक के निजी विचार हैं)

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

बहुत खास है यह ट्रेन, रेट-रफ्तार से रास्ते तक सबकुछ

आज भारत की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन का उद्घाटन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जींद-सोनीपत रेलखंड पर चलने वाली इस ट्रेन को देश की हरित परिवहन पहल की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सरकार का दावा है कि इसके संचालन के दौरान लगभग शून्य प्रदूषण होगा। इसके लिए जींद में विशेष हाइड्रोजन स्टोरेज और रिफ्यूलिंग सुविधा भी विकसित की गई है।

हाइड्रोजन ट्रेन क्या होती है? यह ट्रेन कैसे काम करेगी? जीवाश्म ईंधन-बिजली के मुकाबले ट्रेनों में हाइड्रोजन का इस्तेमाल कितना बेहतर है? ट्रेन का किराया और गति कितनी होगी? जींद-सोनीपत रूट को ही इसके संचालन के लिए क्यों चुना गया है? यह ट्रेन क्यों खास है? सुरक्षा के लिए इसमें क्या इंतजाम किए गए हैं? इस परियोजना पर कितना खर्च किया गया है? भारत के अलावा किन दशों में हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन होता है? आइए विस्तार से जानते हैं...

किस तकनीक पर काम करती है हाइड्रोजन ट्रेन?

सीधे शब्दों में समझा जाए तो हाइड्रोजन ट्रेन उन ट्रेनों को कहा जाता है, जो कि संचालन के लिए बिजली या जीवाश्म ईंधन के बजाय हाइड्रोजन का इस्तेमाल करती हैं। इन ट्रेनों के इंजन को इस तरह बनाया जाता है कि इनमें ऊर्जा हाइड्रोजन के प्रयोग से पैदा की जाती है।

जीवाश्म ईंधन-बिजली के मुकाबले ट्रेनों में हाइड्रोजन का इस्तेमाल कितना बेहतर?

जीवाश्म ईंधन मुख्यतः कार्बन आधारित होते हैं, इसलिए इनके प्रयोग से वातावरण में कार्बन का उत्सर्जन सबसे ज्यादा होता है, जो कि वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों की अधिकता और ग्लोबल वॉर्मिंग का मुख्य कारण है। इसे पर्यावरण के लिए घातक माना जाता है। इसलिए डीजल से चलने वाले इंजन सबसे बड़े प्रदूषकों में गिने जाते हैं। भारत में पहले ही इनका प्रयोग बहुत कम किया जा चुका है।

भारत में मौजूदा समय में बिजली का इस्तेमाल करके चलने वाली ट्रेनें प्रदूषण कम करने के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं, लेकिन इनके प्रयोग में एक पेंच यह है कि जिस बिजली से यह ट्रेनें चलती हैं, उसे फिलहाल ऐसे पावर स्टेशनों से पैदा किया जाता है जो कि कोयले (एक और जीवाश्म ईंधन) के प्रयोग से चलते हैं। ऐसे में बिजली से चलने वाली ट्रेनें खुद भले ही प्रदूषण का सीधे तौर पर कारण नहीं होतीं, लेकिन इन्हें मिलने वाली बिजली को जीवाश्म ईंधन से ही पैदा किया जाता है, जो कि पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है।

इसके चलते हाइड्रोजन के जरिए संचालित होने वाली ट्रेनें पर्यावरण के लिए काफी बेहतर होती हैं। यह ट्रेनें न सिर्फ कार्बन उत्सर्जन को पूरी तरह बंद कर देती हैं, बल्कि आम ईंधनों के मुकाबले ज्यादा स्वच्छ और ज्यादा ऊर्जा देने वाली साबित होती हैं।

भारत की हाइड्रोजन ट्रेन की खासियत

यह ट्रेन ब्रॉड गेज पर चलने वाली सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन होगी।

इसमें कुल 10 कोच होंगे, जिनमें दो ड्राइविंग पावर कार और आठ यात्री कोच शामिल हैं।

इसकी कुल शक्ति 2400 किलोवाट होगी, यानी प्रत्येक ड्राइविंग पावर कार 1200 किलोवाट की क्षमता वाली होगी।

जींद-सोनीपत रेलखंड पर चलने वाली इस ट्रेन के लिए जींद में विशेष हाइड्रोजन स्टोरेज और रिफ्यूलिंग सुविधा विकसित की गई है।

यहीं पर कंप्रेस्ड हाइड्रोजन गैस को सुरक्षित रखा जाएगा और ट्रेन में भरा जाएगा।

रिफ्यूलिंग के लिए हाइड्रोजन कंप्रेशन सिस्टम लगाया गया है, जिसके साथ आवश्यक तकनीकी-सहायता और महत्वपूर्ण स्पेयर पार्ट्स भी उपलब्ध कराए गए हैं ताकि पूरी प्रणाली सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से काम कर सके।

किसी तकनीकी खराबी की स्थिति में संचालन प्रभावित न हो, इसके लिए स्टैंडबाय कंप्रेसर यूनिट की भी व्यवस्था की जा रही है।

यह ट्रेन लगभग 90 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

इस रूट पर यात्रा का अनुमानित समय करीब एक घंटा होगा।

शुरूआती ट्रायल के दौरान ट्रेन की गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

भविष्य में इसकी अधिकतम गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा तक प्रस्तावित है।

इस रूट पर कुल छह रेलवे स्टेशन होंगे।

ट्रेन का न्यूनतम किराया 5 रुपये और अधिकतम किराया 25 रुपये प्रस्तावित है।

इस ट्रेन में करीब 2,500 यात्रियों के सफर कर सकते हैं।

सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं?

हाइड्रोजन गैस के सुरक्षित उपयोग के लिए रेलवे ने कई सुरक्षा उपाय किए हैं।

हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और रिफ्यूलिंग स्टेशन पर हाइड्रोजन लीक डिटेक्टर और फ्लेम डिटेक्टर लगाए गए हैं।

इन उपकरणों की नियमित जांच और सफाई की जाएगी ताकि धूल जमा न हो और वे लगातार सही तरीके से काम करते रहें।

पूरे हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग सिस्टम की 24 घंटे निगरानी की जाएगी।

शुरूआती चरण में ट्रेन के साथ तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे ताकि किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जा सके।

इसके अलावा ट्रेन और हाइड्रोजन प्लांट के लिए संचालन व रखरखाव मैनुअल तैयार किए गए हैं, जिन्हें आरडीएसओ से मंजूरी मिल चुकी है।

शकूरबस्ती स्थित रखरखाव केंद्र के लिए भी सुरक्षा प्रावधान, नियमित ऑडिट और मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में सामने आए प्रमुख सेलेब्स

नसीरुद्दीन शाह

रत्ना पाठक शाह

शबाना आजमी

जीनत अमान

सोनाक्षी सिन्हा

अनुराग कश्यप

प्रकाश राज

स्वरा भास्कर

अभय देओल

सोनी राजदान

अतुल कुलकर्णी

ओमी वैद्य

समय रैना

फातिमा सना शेख

अदिति राव हैदरी

इमरान खान

भुवन बाम

आशीष चंचलानी

रुबीना दिलाइक

सोनम वांगचुक के अनशन पर बोले आमिर खान,

स्वास्थ्य को लेकर जताई चिंता

अभिनेता ने कहा– 'थ्री इडियट्स' का पात्र सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं था

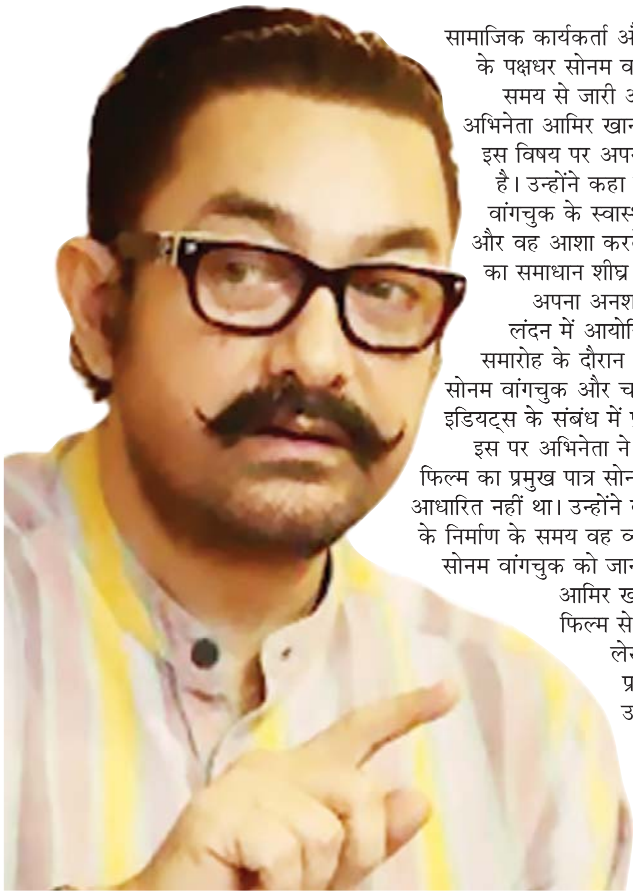

सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक के लंबे समय से जारी अनशन के बीच अभिनेता आमिर खान ने पहली बार इस विषय पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की चिंता है और वह आशा करते हैं कि स्थिति का समाधान शीघ्र निकले तथा वे अपना अनशन समाप्त करें।

लंदन में आयोजित एक फिल्म समारोह के दौरान आमिर खान से सोनम वांगचुक और चर्चित फिल्म थ्री इडियट्स के संबंध में प्रश्न पूछा गया। इस पर अभिनेता ने स्पष्ट किया कि फिल्म का प्रमुख पात्र सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं था। उन्होंने कहा कि फिल्म के निर्माण के समय वह व्यक्तिगत रूप से सोनम वांगचुक को जानते भी नहीं थे। आमिर खान ने कहा कि फिल्म से जुड़े निर्देशक, लेखक और अन्य प्रमुख सदस्य भी उस समय सोनम वांगचुक से परिचित नहीं थे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि स्वयं सोनम वांगचुक कई अवसरों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि फिल्म का पात्र उनके जीवन पर आधारित नहीं है। हालांकि, अभिनेता ने सोनम वांगचुक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सबसे महत्वपूर्ण बात उनकी सेहत और सुरक्षा है। सोनम वांगचुक के समर्थन में मनोरंजन जगत की कई हस्तियां भी सामने आई हैं। फिल्म निमार्ता किरण राव ने सामाजिक माध्यमों पर संदेश जारी कर उनके आंदोलन और छात्रों से जुड़े मुद्दों के प्रति समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने संवाद और समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। अभिनेता अतुल कुलकर्णी, अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, फातिमा सना शेख, जीनत अमान, सोनी राजदान सहित कई कलाकारों ने भी वांगचुक के प्रति समर्थन व्यक्त किया है। कई कलाकारों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की अपील की है। इसी क्रम में थ्री इडियट्स फिल्म में चतुर रामलिंगम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता ओमी वैद्य ने भी एक संदेश जारी किया। उन्होंने सोनम वांगचुक को प्रेरणादायक व्यक्तित्व बताते हुए उनकी सुरक्षा और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। वर्तमान में सोनम वांगचुक के अनशन को लेकर देशभर में चर्चा जारी है। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग और अनेक सार्वजनिक हस्तियां उनके स्वास्थ्य की चिंता व्यक्त करते हुए शांतिपूर्ण संवाद के माध्यम से समाधान की अपेक्षा जता रहे हैं।

बचपन के दर्दनाक अनुभव पर बोले सोहेल खान, वर्षों तक नहीं कर सके थे चर्चा

रियलिटी कार्यक्रम में साझा किया निजी अनुभव

शर्म के कारण लंबे समय तक चुप रहे

अभिनेता सोहेल खान ने एक रियलिटी कार्यक्रम के दौरान अपने बचपन के एक अत्यंत संवेदनशील अनुभव का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बचपन में उनके साथ यौन उत्पीड़न की घटना हुई थी, लेकिन शर्म और संकोच के कारण उन्होंने कई वर्षों तक इस विषय पर किसी से चर्चा नहीं की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ बातचीत के दौरान सोहेल खान ने कहा कि उस घटना का प्रभाव उनके मन पर लंबे समय तक बना रहा। उन्होंने बताया कि वह वर्षों तक इस विषय को अपने भीतर दबाए रहे और किसी को इसके बारे में नहीं बताया।

सोहेल के अनुसार, बड़े होने के बाद उन्होंने इस घटना की जानकारी अपने पिता सलीम खान को दी। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा कि उन्होंने इतने वर्षों तक यह बात अपने मन में क्यों रखी। अभिनेता ने कहा कि उस समय उन्हें घटना के बारे में बताने में शर्म महसूस होती थी, जबकि वास्तव में उनकी कोई गलती नहीं थी। बातचीत के दौरान सोहेल खान ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में पीड़ितों को चुप नहीं रहना चाहिए और उन्हें अपने परिवार या भरोसेमंद लोगों से खुलकर बात करनी चाहिए। उनका मानना है कि समय पर संवाद और सहयोग मिलने से मानसिक बोझ कम किया जा सकता है।

इसी कार्यक्रम में सोहेल खान अपने परिवार का उल्लेख करते हुए भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा कि परिवार से दूर रहने के दौरान उन्हें अपने परिजनों की बहुत याद आती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि किसी प्रतियोगिता आधारित कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लेने के बाद उन्हें मानसिक और भावनात्मक दबाव को नजदीक से समझने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में उनकी पूर्व पत्नी सीमा सजदेह की विशेष प्रतिभागी के रूप में उपस्थिति भी चर्चा का विषय रही। दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण संवाद और आपसी सम्मान ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

सोहेल खान के इस खुलासे के बाद सामाजिक स्तर पर बाल सुरक्षा, जागरूकता और संवेदनशील मामलों में खुलकर संवाद की आवश्यकता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे अनुभवों पर समय रहते बात करना पीड़ितों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

रूट की नाबाद 99 रन की पारी से इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराया

सीरीज 1-1 से बराबर

कार्डिफ। जो रूट की नाबाद 99 रन की शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का निर्णायक मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 44 ओवर में 233 रन पर सिमट गई। जवाब में इंग्लैंड ने 44.1 ओवर में छह विकेट पर 235 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

रूट ने पूरी पारी के दौरान एक छोर संभाले रखा और टीम को जीत तक पहुंचाया। वह शतक से महज एक रन दूर रह गए।

234 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरूआत खराब रही। जसप्रीत बुमराह ने पहली ही गेंद पर बेन डकेट को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने जैकब बेथेल को आउट कर इंग्लैंड पर दबाव बढ़ाया। कप्तान हैरी ब्रूक भी बड़ी पारी नहीं खेल सके और 16 रन बनाकर आउट हो गए। सैम करन ने रूट के साथ मिलकर पारी को संभाला और टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

करन ने 26 रन बनाए, जबकि जॉस बटलर 17 रन बनाकर लौटे। एक समय इंग्लैंड का स्कोर पांच विकेट पर 125 रन था, लेकिन रूट ने विल जैक्स के साथ छठे विकेट के लिए 72 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर मैच का रुख बदल दिया। जैक्स ने 30 रन का योगदान दिया। इसके बाद रूट ने गस एटकिंसन के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई।

रोहित के संन्यास की अटकलों पर टीम इंडिया का जवाब

किसी तरह का दबाव नहीं

लॉर्ड्स वनडे को रोहित शर्मा का आखिरी मैच बताए जाने की चर्चाओं के बीच टीम प्रबंधन ने स्थिति स्पष्ट की है। बल्लेबाजी कोच ने कहा कि रोहित जैसे खिलाड़ी पर बाहरी बातों का असर नहीं पड़ता।

कार्डिफ। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बीच रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। हालांकि भारतीय टीम प्रबंधन ने इन अटकलों को खारिज करते हुए साफ किया है कि रोहित पर किसी तरह का दबाव नहीं है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि रोहित शर्मा जैसे अनुभवी और बड़े खिलाड़ी पर ऐसी चर्चाओं का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने भरोसा जताया कि रोहित जल्द ही अपनी लय में लौटेंगे।

खराब फॉर्म के बीच बढ़ीं चर्चाएं

रोहित शर्मा हाल के मुकाबलों में बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में भी वह 26 रन बनाकर आउट हो गए। पिछले कुछ मैचों में उनके प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे हैं, जिसके बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया। हालांकि टीम प्रबंधन का मानना है कि किसी खिलाड़ी का मूल्यांकन केवल कुछ पारियों के आधार पर नहीं किया जा सकता। रोहित लंबे समय से भारतीय बल्लेबाजी की मजबूत कड़ी रहे हैं और उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कोच बोले- रोहित संघर्ष नहीं कर रहे

सितांशु कोटक ने कहा कि कई बार बल्लेबाजों को परिस्थितियों के अनुसार तालमेल बैठाने में समय लगता है। इसका मतलब यह नहीं है कि खिलाड़ी संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि कार्डिफ में भी रोहित अच्छी लय में दिख रहे थे और बड़ी पारी की उम्मीद थी। कोच के मुताबिक, कुछ मौकों पर गेंदबाजी परिस्थितियां और पिच का व्यवहार भी बल्लेबाजों के प्रदर्शन को प्रभावित करता है। ऐसे में केवल आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

लॉर्ड्स में बड़ी पारी की उम्मीद

भारतीय टीम को उम्मीद है कि निर्णायक मुकाबले में रोहित शर्मा अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाएंगे। कोटक ने कहा कि लॉर्ड्स में रोहित का अलग अंदाज देखने को मिल सकता है और वह टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

निर्णायक मुकाबले पर टिकी निगाहें

इंग्लैंड ने दूसरा वनडे जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। अब 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा मुकाबला सीरीज का फैसला करेगा। इस मैच में न सिर्फ दोनों टीमों के प्रदर्शन पर बल्कि रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज :

हंसिका लांबा ने जीता रजत, रजत रुहल को कांस्य पदक

बुडापेस्ट। भारत की युवा पहलवान हंसिका लांबा ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में महिलाओं के 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीता। फाइनल मुकाबले में उन्हें यूक्रेन की नतालिया क्लीवचुत्स्का के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। 19 वर्षीय हंसिका ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में तुर्किये की तुबा डेमिर को 8-4 से हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में जर्मनी की अनास्तासिया ब्लेवास के खिलाफ दमदार वापसी करते हुए 10-7 से जीत दर्ज की। एक समय वह 2-7 से पीछे थीं, लेकिन लगातार अंक जुटाकर मुकाबला अपने नाम किया और फाइनल में जगह बनाई। हंसिका का इस वर्ष शानदार प्रदर्शन जारी है। इससे पहले वह एशियाई चैंपियनशिप और उलानबटार ओपन में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। महिलाओं के 50 किलोग्राम वर्ग में प्रियांशी प्रजापत पदक जीतने से चूक गईं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के विजेताओं को पहली बार मिलेगी ऐतिहासिक चैंपियनशिप रिंग

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के विजेता खिलाड़ियों को इस बार एक खास सम्मान मिलेगा। विश्व कप के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनने वाली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के साथ-साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। फीफा ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है। फीफा के अनुसार, यह रिंग अमेरिकी खेलों की मशहूर परंपरा से प्रेरित है और पहली बार फुटबॉल विश्व कप का हिस्सा बनेगी। इसका मकसद खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक जीत की एक खास याद देना है। रिंग के एक तरफ फीफा वर्ल्ड कप की ट्रॉफी बनी होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर अलग नंबर होगा, उसे खिलाड़ी के हिसाब से तैयार किया जाएगा और उसके साथ असली होने का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। फाइनल मैच खत्म होने के तुरंत बाद विजेता टीम के कप्तान और हेड कोच को अस्थायी रिंग दी जाएगी। इसके बाद पूरी विजेता टीम के लिए 30 रिंग तैयार की जाएंगी। हर रिंग को खिलाड़ियों के अनुसार कस्टमाइज किया जाएगा और बाद में आधिकारिक रूप से उन्हें सौंपा जाएगा। फीफा ने बताया कि इस रिंग का कुल 2,026 पीस का लिमिटेड एडिशन बनाया जाएगा। इनमें से 30 रिंग विश्व चैंपियन टीम को मिलेंगी, जबकि बाकी 1,996 रिंग दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों के लिए आधिकारिक लाइसेंस प्राप्त उत्पाद के रूप में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

शुक्रवार, 17 जुलाई राशिफल

मेष: आज आत्मविश्वास और मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। करियर में आपकी मेहनत की सराहना होगी और कोई नया अवसर सामने आ सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

वृष: आज आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अच्छे अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और पुराने मतभेद दूर होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें और सेहत का ध्यान दें। दिन सकारात्मक रहेगा।

मिथुन: आज बातचीत और नए संपर्कों से लाभ मिलने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे तो सफलता मिलेगी। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा और छोटी यात्रा भी हो सकती है। किसी भी बड़े फैसले में जल्दबाजी न करें। शुभ रंग: हरा शुभ अंक: 3।

कर्क: आज परिवार और घर से जुड़े मामलों में सकारात्मक माहौल रहेगा। अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए लाभदायक साबित होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में भी प्रगति के संकेत हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और तनाव से बचें।

सिंह: आज आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता आपको आगे बढ़ाएगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार के साथ तालमेल बनाए रखें और पुराने विवादों को शांतिपूर्वक सुलझाने की कोशिश करें। निवेश सोच-समझकर करें।

कन्या: आज करियर में उन्नति के अच्छे संकेत हैं। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा और किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: आज साझेदारी और रिश्तों में धैर्य रखने की जरूरत है। नौकरी और व्यापार में सफलता के अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सफलता मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें।

वृश्चिक: आज कार्यक्षेत्र में अनुभव का पूरा लाभ मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत फायदेमंद रहेगी। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें और किसी भी विवाद से दूर रहें। परिवार का सहयोग मिलेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु: आज बड़े फैसले सोच-समझकर लें। जीवनसाथी के साथ खुलकर बातचीत करने से रिश्ते मजबूत होंगे। करियर में संतुलन बनाए रखें और अनावश्यक खर्चों से बचें। मानसिक शांति के लिए ध्यान या योग लाभदायक रहेगा।

मकर: आज नेतृत्व क्षमता के दम पर कार्यक्षेत्र में पहचान मिलेगी। नई जिम्मेदारियां और अवसर सामने आ सकते हैं। परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें और भविष्य की योजनाओं पर ध्यान दें।

कुंभ: आज कोई अप्रत्याशित शुभ समाचार या अवसर मिल सकता है। मित्रों और नए संपर्कों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी की सराहना होगी। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन: आज धैर्य और संतुलित सोच से लिए गए फैसले आपके लिए लाभदायक रहेंगे। करियर और आर्थिक मामलों में जल्दबाजी न करें। परिवार का सहयोग मिलेगा और मन शांत रहेगा। पुराने तनाव दूर होने की संभावना है।

डॉ. शिल्पा जैन
(एस्ट्रोलॉजर)
मो. 942560752

उड़िया शैली में सजे नंदीघोष रथ पर नगर भ्रमण को निकले भगवान जगन्नाथ

बल्केश्वर महादेव मंदिर से प्रारम्भ हुई श्रीजगन्नाथ रथयात्रा

- बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग सज-धज कर वनभोजी वेश में नगर भ्रमण को निकले श्रीजगन्नाथ
- श्रीजगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचने की भक्तों में लगी होड़, कई भक्तों ने रथ के सामने किया दण्डवत प्रणाम

एनएनआई

आगरा। भक्ति और श्रद्धा का ऐसा महोत्सव जहां हर ओर परमानन्द की अनुभूति बिखर रही थी। खस और जूट से उड़िया शैली और कला से सजा नंदीघोष रथ और उस पर विराजमान भगवान जगन्नाथ जब बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग विराजे तो हर ओर हरे कृष्णा..., हरे राम... और हरि बोल गुंजायनाम हो गया। रेशम के धागों से भक्तों द्वारा तैयार सतरंगी पोशाक, दौना मरुआ का नथ बेसर, गले में तुलसी और बैजयन्ती माला से श्रृंगारित श्रीहरि के शंखनाद के साथ पट खुलते ही दोनों हाथ ऊपर कर सैकड़ों भक्त भक्ति और श्रद्धा के साथ श्रहरि के समक्ष अपने सुख और दुख को समपर्पित करते नजर आए। मंजीरे और मृदंग पर हरे राम हरे कृष्णा... कीर्तन पर नृत्य करने लगे। हर तरफ सिर्फ श्रद्धा और भक्ति की गंगा बह रही थी। भगवान के इस अलौकिक रूप को भक्त एकटक निगाह से निहारते रहे। कहीं सड़क पर दण्डवत प्रणाम करते श्रद्धालु तो कहीं रस्सी को मात्र छू लेने की होड।

भक्त कहीं झाड़ु लगाकर श्रीहरि के मार्ग स्वच्छ करते तो कहीं श्रीहरि की भक्ति में झूमते। कहीं श्रद्धालु अपने भगवान की राह में कीर्तन करते तो कहीं सतरंगी रंगोली सजाते। श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव में सब कुछ भक्ति में डूबा था। प्रथम आरती वृन्दावन इस्कॉन के हरिविजय प्रभु व आगरा इस्कॉन के अध्यक्ष अरविद प्रभु ने कर रथयात्रा का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर डीसीपी अभिषेक अग्रवाल भी मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से अमित गोयल, कामता प्रसाद अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, अशु मित्तल, संजीव बंसल, सुधीर अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, रामू फतेहपुरिया, शैलेश बंसल, दीपक प्रहलाद अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, संजय कुकरेजा, विकास बंसल (लड्डू भाई), रमेश यादव, विपिन अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, राजेश उपाध्याय, अदिति गौरांगी, अंशुल अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, मीनाक्षी मोहन, मयूरी मित्तल, नीलू सिंघल, स्वाती अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सिकंदर सहारा एडवोकेट अध्यक्ष और देव कुमार गौतम एडवोकेट बने महासचिव

आगरा (एनएनआई)। जिला एवं सत्र न्यायालय में भीम युवा एडवोकेट एसोसिएशन का गठन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से सिकंदर सहारा एडवोकेट को अध्यक्ष देव कुमार गौतम एडवोकेट को महासचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए अतुल कर्दम एडवोकेट को निर्वाचित किया गया। सभी निर्वाचित पदाधिकारी को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा अधिवक्ता संघ आगरा मंडल के अध्यक्ष नितिन वर्मा एडवोकेट के द्वारा एवं आगरा लॉयर्स एसोसिएशन के महासचिव राजीव ठाकुर एडवोकेट पूर्वांचल संस्कृति सेवा समिति के अध्यक्ष शंभू नाथ चौबे के द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए। युवा अधिवक्ता संघ के मंडल अध्यक्ष नितिन वर्मा ने कहा की दीवानी आगरा में युवा अधिवक्ताओं की भड़ती संख्या को देखते हुए युवा अधिवक्ताओं की समस्या के समाधान हेतु भीम युवा एडवोकेट एसोसिएशन मुख्य भूमिका में सक्रिय रहेगी। शम्भू नाथ चौबेजी ने कहा युवा अधिवक्ता समाज को नयी दिशा प्रदान करने मैं अहम भूमिका निभाते हैं ।महासचिव देव गौतम युवा अधिवक्ताओ के लिये लड़ाई लड़ेंगे। इस मौक राजेंद्र कर्दम, सुरेंदता पाल, प्रवेन्द्र कुमार,आनन्द बिहारी, कृष्ण मुरारी माहेश्वरी, हरेंद्र त्यागी, कृपाल सिंह, रिंकू यादव, शान्तिस्वरुप शर्मा और गौतम वर्मा उपस्थित रहें।

सीडीओ ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा

आगरा (एनएनआई)। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा के लिए अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा डब्ल्यू०एच०ओ० तथा विभिन्न विभागीय अधिकारियों के द्वारा दिये गये मॉनिटरिंग फीडबैक में सम्बन्धित विभागों के विभिन्न इन्डीकेटर में पाई गई । कमियों पर नाराजगी व्यक्त की गई एवं उनमें सुधार लाने के लिए माइक्रोप्लान के अनुसार गतिविधियां संचालित करने, प्रतिदिन जनपद व ब्लॉक स्तर पर समीक्षा करने एवं सम्बन्धित सूचनाएं जनपद स्तरीय व्हाट्सअप ग्रुप में शेयर करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

ओल्ड ईदगाह कॉलोनी जैन मंदिर में हुआ भव्य मंगल विहार

- श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

एनएनआई

आगरा। अंकलीकर परम्पराचार्य सौभाग्यसागर महाराज एवं स्थविर संत सुरत्न सागराचार्य महाराज ससंघ ने छीपीटोला स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार करते हुए ओल्ड ईदगाह कॉलोनी स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश किया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने जयघोष, पुष्पवर्षा, आरती एवं पाद प्रक्षालन कर दोनों आचार्य संघ का श्रद्धा और भक्ति के साथ अभिनंदन किया।

पूरे मार्ग पर धर्ममय वातावरण बना रहा तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरुचरणों के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर पहुंचने पर दोनों आचार्यश्री ने भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इसके उपरांत आयोजित धर्मसभा में परम्पराचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि धर्म केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि संयम, सेवा, सदाचार और आत्मकल्याण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि श्रमण संस्कृति और तीर्थों की रक्षा के लिए समाज एवं संतों को मिलकर कार्य करना होगा। प्रभावक संतों का तीर्थ क्षेत्रों में अधिक प्रवास होने से धर्म प्रभावना के साथ-साथ तीर्थों का संरक्षण भी सुदृढ़ होता है और नई पीढ़ी में धार्मिक संस्कारों का विकास होता है।धर्मसभा में श्रद्धालुओं ने दोनों आचार्यश्री के मंगल प्रवचनों का लाभ लेकर धर्म, संयम और तीर्थ संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर ओल्ड ईदगाह कॉलोनी एवं छीपीटोला जैन समाज के पदाधिकारी,महिला मंडल, युवक-युवतियां तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर,अमित जैन,चन्द्रदीप जैन, अजय जैन,बबली जैन,सोनू जैन अशोक जैन,आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा नेता दिनेश कुशवाहा ने किया कम्प्यूटर सेंटर का उद्घाटन

आगरा (एनएनआई)। मऊ रोड खंदारी कृष्णापुरम मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा दयालबाग मंडल अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा नेसपना कंप्यूटर सेंटर एजुकेशन सेंटर का उद्घाटन किया । इस दौरान मुख्य अतिथि दिनेश कुशवाहा ने कहा कि इस प्रकार के कम्प्यूटर सेंटरों के खुल जाने को युवाओं को कम्प्यूटर शिक्षा का ज्ञान मिलेगा। इससे आने वाले समय में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता शैलेंद्र गुप्ता ; नव नियुक्ति पार्षद मनोज कुमार कुशवाहा, पार्षद नगर पालिका परिषद अछनेरा भगवान कुशवाहा, बंगाली बाबू कुशवाह, शिवशंकर कुशवाहा,नवीन कुशवाह, तरुणकुशवाह और देवेश कुशवाह,ऑनर सपना कुशवाहा नीतिन कुशवाहा आदि लोग उपस्थित रहे।